[Ganga Chalisa Lyrics with Meaning in Hindi and English]

Ganga Chalisa Lyrics in Hindi

॥दोहा॥
जय जय जय जग पावनी, जयति देवसरि गंग ।
जय शिव जटा निवासिनी, अनुपम तुंग तरंग ॥

॥चौपाई॥
जय जय जननी हराना अघखानी ।आनंद करनी गंगा महारानी ॥

जय भगीरथी सुरसरि माता ।कलिमल मूल डालिनी विख्याता ॥

जय जय जहानु सुता अघ हनानी ।भीष्म की माता जगा जननी ॥

धवल कमल दल मम तनु सजे ।लखी शत शरद चंद्र छवि लजाई ॥

वहां मकर विमल शुची सोहें ।अमिया कलश कर लखी मन मोहें ॥

जदिता रत्ना कंचन आभूषण ।हिय मणि हर, हरानितम दूषण ॥

जग पावनी त्रय ताप नासवनी ।तरल तरंग तुंग मन भावनी ॥

जो गणपति अति पूज्य प्रधान ।इहूं ते प्रथम गंगा अस्नाना ॥

ब्रह्मा कमंडल वासिनी देवी ।श्री प्रभु पद पंकज सुख सेवि ॥

साथी सहस्त्र सागर सुत तरयो ।गंगा सागर तीरथ धरयो ॥

अगम तरंग उठ्यो मन भवन ।लखी तीरथ हरिद्वार सुहावन ॥

तीरथ राज प्रयाग अक्षैवेता ।धरयो मातु पुनि काशी करवत ॥

धनी धनी सुरसरि स्वर्ग की सीधी ।तरनी अमिता पितु पड़ पिरही ॥

भागीरथी ताप कियो उपारा ।दियो ब्रह्म तव सुरसरि धारा ॥

जब जग जननी चल्यो हहराई ।शम्भु जाता महं रह्यो समाई ॥

वर्षा पर्यंत गंगा महारानी ।रहीं शम्भू के जाता भुलानी ॥

पुनि भागीरथी शम्भुहीं ध्यायो ।तब इक बूंद जटा से पायो ॥

ताते मातु भें त्रय धारा ।मृत्यु लोक, नाभा, अरु पातारा ॥

गईं पाताल प्रभावती नामा ।मन्दाकिनी गई गगन ललामा ॥

मृत्यु लोक जाह्नवी सुहावनी ।कलिमल हरनी अगम जग पावनि ॥

धनि मइया तब महिमा भारी । धर्मं धुरी कलि कलुष कुठारी ॥

मातु प्रभवति धनि मंदाकिनी । धनि सुर सरित सकल भयनासिनी ॥

पन करत निर्मल गंगा जल । पावत मन इच्छित अनंत फल ॥

पुरव जन्म पुण्य जब जागत । तबहीं ध्यान गंगा महं लागत ॥

जई पगु सुरसरी हेतु उठावही । तई जगि अश्वमेघ फल पावहि ॥

महा पतित जिन कहू न तारे । तिन तारे इक नाम तिहारे ॥

शत योजन हूं से जो ध्यावहिं । निशचाई विष्णु लोक पद पावहीं ॥

नाम भजत अगणित अघ नाशै । विमल ज्ञान बल बुद्धि प्रकाशे ॥

जिमी धन मूल धर्मं अरु दाना । धर्मं मूल गंगाजल पाना ॥

तब गुन गुणन करत दुख भाजत । गृह गृह सम्पति सुमति विराजत ॥

गंगहि नेम सहित नित ध्यावत । दुर्जनहूं सज्जन पद पावत ॥

उद्दिहिन विद्या बल पावै । रोगी रोग मुक्त हवे जावै ॥३२ ॥

गंगा गंगा जो नर कहहीं । भूखा नंगा कभुहुह न रहहि ॥

निकसत ही मुख गंगा माई । श्रवण दाबी यम चलहिं पराई ॥

महं अघिन अधमन कहं तारे । भए नरका के बंद किवारें ॥

जो नर जपी गंग शत नामा । सकल सिद्धि पूरण ह्वै कामा ॥

सब सुख भोग परम पद पावहीं । आवागमन रहित ह्वै जावहीं ॥

धनि मइया सुरसरि सुख दैनि । धनि धनि तीरथ राज त्रिवेणी ॥

ककरा ग्राम ऋषि दुर्वासा । सुन्दरदास गंगा कर दासा ॥

जो यह पढ़े गंगा चालीसा । मिली भक्ति अविरल वागीसा ॥

॥ दोहा ॥
नित नए सुख सम्पति लहैं, धरें गंगा का ध्यान ।
अंत समाई सुर पुर बसल, सदर बैठी विमान ॥

संवत भुत नभ्दिशी, राम जन्म दिन चैत्र ।
पूरण चालीसा किया, हरी भक्तन हित नेत्र ॥

Ganga Chalisa Meaning in Hindi

दोहा

जय जय जय जग पावनी, जयति देवसरि गंग।

- **अर्थ:** हे जगत को पवित्र करने वाली माँ गंगा, आपकी जय हो। हे देवताओं की नदी, आपकी विजय हो।

जय शिव जटा निवासिनी, अनुपम तुंग तरंग।

- **अर्थ:** हे शिव की जटाओं में निवास करने वाली गंगा, आपकी अनुपम और ऊँची लहरों को प्रणाम।

चौपाई

जय जय जननी हराना अघखानी। आनंद करनी गंगा महारानी।

- **अर्थ:** हे पापों का नाश करने वाली माता गंगा, आपकी जय हो। आप आनंद देने वाली महारानी हैं।

जय भगीरथी सुरसरि माता। कलिमल मूल डालिनी विख्याता।

- **अर्थ:** हे भगीरथ के प्रयास से पृथ्वी पर आने वाली देवी गंगा, आपकी जय हो। आप कलियुग के पापों की जड़ को नष्ट करने वाली के रूप में विख्यात हैं।

जय जय जहानु सुता अघ हनानी। भीष्म की माता जगा जननी।

- **अर्थ:** हे ऋषि जहानु की पुत्री, पापों का नाश करने वाली और भीष्म पितामह की माता, आपकी जय हो।

धवल कमल दल मम तनु सजे। लखी शत शरद चंद्र छवि लजाई।

- **अर्थ:** आपके पवित्र जल से शरीर कमल के समान उज्ज्वल हो जाता है, और आपकी छवि सौ शरद पूर्णिमा के चंद्रमा को भी लजा देती है।

वहां मकर विमल शुची सोहें। अमिया कलश कर लखी मन मोहें।

- **अर्थ:** आपके जल में पवित्र मगरमच्छ शोभित होते हैं, और अमृत से भरे हुए कलश आपके हाथों में मन को मोह लेते हैं।

जदिता रत्ना कंचन आभूषण। हिय मणि हर, हरानितम दूषण।

- **अर्थ:** आपके आभूषण रत्नों और स्वर्ण से बने हैं, और आप हृदय के मणि समान हैं, जो हर प्रकार के दोषों को दूर करती हैं।

जग पावनी त्रय ताप नासवनी। तरल तरंग तुंग मन भावनी।

- **अर्थ:** हे जगत को पवित्र करने वाली, तीनों प्रकार के तापों (शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक) को नष्ट करने वाली गंगा, आपकी ऊँची लहरें मन को भाती हैं।

जो गणपति अति पूज्य प्रधान। इहूं ते प्रथम गंगा अस्नाना।

- **अर्थ:** जैसे गणपति सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूजे जाते हैं, वैसे ही स्नान के लिए सबसे पहले गंगा का महत्व है।

ब्रह्मा कमंडल वासिनी देवी। श्री प्रभु पद पंकज सुख सेवि।

- **अर्थ:** हे देवी गंगा, जो ब्रह्मा के कमंडल में निवास करती हैं, आप भगवान के चरण कमलों की सेवा करके सुख देती हैं।

साथी सहस्त्र सागर सुत तरयो। गंगा सागर तीरथ धरयो।

- **अर्थ:** आप हजारों नदियों के साथ संगम करती हैं और गंगा सागर के पवित्र तीर्थ को बनाती हैं।

अगम तरंग उठ्यो मन भवन। लखी तीरथ हरिद्वार सुहावन।

- **अर्थ:** आपकी अगाध लहरें मन को मोहित करती हैं और हरिद्वार तीर्थ को अत्यंत सुंदर बनाती हैं।

तीरथ राज प्रयाग अक्षैवेता। धरयो मातु पुनि काशी करवत।

- **अर्थ:** हे माँ गंगा, आपने तीर्थराज प्रयाग (त्रिवेणी संगम) को अक्षय (अमर) बनाया और फिर काशी में जाकर पवित्रता का विस्तार किया।

धनी धनी सुरसरि स्वर्ग की सीधी। तरनी अमिता पितु पड़ पिरही।

- **अर्थ:** हे सुरसरि (देवताओं की नदी), आप धन्य हैं। आप स्वर्ग का मार्ग हैं और अनगिनत पितरों (पूर्वजों) को तारने वाली हैं।

भागीरथी ताप कियो उपारा। दियो ब्रह्म तव सुरसरि धारा।

- **अर्थ:** भगीरथ के कठोर तप के फलस्वरूप ब्रह्माजी ने आपको स्वर्ग से पृथ्वी पर प्रवाहित किया।

जब जग जननी चल्यो हहराई। शम्भु जाता महं रह्यो समाई।

- **अर्थ:** जब आप पृथ्वी पर प्रवाहित होने लगीं तो आपकी तीव्र धारा को नियंत्रित करने के लिए भगवान शिव ने अपनी जटाओं में आपको समाहित कर लिया।

वर्षा पर्यंत गंगा महारानी। रहीं शम्भू के जाता भुलानी।

- **अर्थ:** आप गंगा महारानी, वर्षभर तक शिवजी की जटाओं में ठहरी रहीं।

पुनि भागीरथी शम्भुहीं ध्यायो। तब इक बूंद जटा से पायो।

- **अर्थ:** बाद में भगीरथ ने भगवान शिव का ध्यान कर प्रार्थना की, तब शिवजी ने अपनी जटाओं से एक बूंद गंगा को पृथ्वी पर छोड़ा।

ताते मातु भें त्रय धारा। मृत्यु लोक, नाभा, अरु पातारा।

- **अर्थ:** इसलिए माँ गंगा की तीन धाराएँ प्रवाहित हुईं— एक पृथ्वी पर (मृत्युलोक), दूसरी आकाश में (स्वर्ग), और तीसरी पाताल में।

गईं पाताल प्रभावती नामा। मन्दाकिनी गई गगन ललामा।

- **अर्थ:** पाताल में आपकी धारा 'प्रभावती' के नाम से जानी गई, और स्वर्ग में 'मन्दाकिनी' नाम से विख्यात हुई।

मृत्यु लोक जाह्नवी सुहावनी। कलिमल हरनी अगम जग पावनि।

- **अर्थ:** पृथ्वी पर आप 'जाह्नवी' कहलाती हैं, जो कलियुग के पापों को हरने वाली और संसार को पवित्र करने वाली हैं।

धनि मइया तब महिमा भारी। धर्मं धुरी कलि कलुष कुठारी।

- **अर्थ:** हे माँ गंगा, आपकी महिमा अत्यंत महान है। आप धर्म की धुरी हैं और कलियुग के पापों का नाश करने वाली हैं।

मातु प्रभवति धनि मंदाकिनी। धनि सुर सरित सकल भयनासिनी।

- **अर्थ:** हे प्रभवति और मंदाकिनी माँ, आप धन्य हैं। आप देवताओं की नदी हैं और समस्त भय व संकटों को नष्ट करने वाली हैं।

पन करत निर्मल गंगा जल। पावत मन इच्छित अनंत फल।

- **अर्थ:** आपके निर्मल जल से स्नान और आचमन करने पर मनुष्य अपनी इच्छाओं की पूर्ति और अनंत फल प्राप्त करता है।

पुरव जन्म पुण्य जब जागत। तबहीं ध्यान गंगा महं लागत।

- **अर्थ:** जब पूर्वजन्म के पुण्य जाग्रत होते हैं, तभी व्यक्ति को माँ गंगा का ध्यान करने का सौभाग्य मिलता है।

जई पगु सुरसरी हेतु उठावही। तई जगि अश्वमेघ फल पावहि।

- **अर्थ:** जो व्यक्ति माँ गंगा के लिए एक कदम भी बढ़ाता है, उसे अश्वमेध यज्ञ के बराबर फल प्राप्त होता है।

महा पतित जिन कहू न तारे। तिन तारे इक नाम तिहारे।

- **अर्थ:** जो महापापी भी दूसरों के द्वारा नहीं तार पाए, वे भी आपके नाम मात्र से पापों से मुक्त हो जाते हैं।

शत योजन हूं से जो ध्यावहिं। निशचाई विष्णु लोक पद पावहीं।

- **अर्थ:** जो व्यक्ति सैकड़ों योजन दूर से भी आपका ध्यान करता है, वह निश्चित रूप से विष्णु लोक को प्राप्त करता है।

नाम भजत अगणित अघ नाशै। विमल ज्ञान बल बुद्धि प्रकाशे।

- **अर्थ:** आपका नाम जपने से अनगिनत पाप नष्ट हो जाते हैं, और पवित्र ज्ञान, शक्ति तथा बुद्धि का प्रकाश होता है।

जिमी धन मूल धर्मं अरु दाना। धर्मं मूल गंगाजल पाना।

- **अर्थ:** जैसे धन का मूल धर्म और दान है, वैसे ही धर्म का मूल गंगाजल को प्राप्त करना है।

तब गुन गुणन करत दुख भाजत। गृह गृह सम्पति सुमति विराजत।

- **अर्थ:** आपके गुणों का ध्यान करने से दुख दूर हो जाते हैं, और घर-घर में संपत्ति और शुभ बुद्धि का वास होता है।

गंगहि नेम सहित नित ध्यावत। दुर्जनहूं सज्जन पद पावत।

- **अर्थ:** जो व्यक्ति नियमपूर्वक प्रतिदिन गंगा का ध्यान करता है, वह चाहे दुर्जन (बुरा व्यक्ति) हो, सज्जन (अच्छा व्यक्ति) बन जाता है।

उद्दिहिन विद्या बल पावै। रोगी रोग मुक्त हवे जावै।

- **अर्थ:** गंगा का ध्यान करने से व्यक्ति को विद्या और शक्ति प्राप्त होती है, और रोगी अपने रोगों से मुक्त हो जाता है।

Ganga Chalisa Lyrics in English

Dohas

Jai Jai Jai Jag Pavani, Jayati Devsari Ganga.
Jai Shiv Jata Nivasini, Anupam Tung Tarang.

Chaupai

Jai Jai Janani Harana Aghkhani, Anand Karni Ganga Maharani.
Jai Bhagirathi Sursari Mata, Kalimal Mool Dalini Vikhyata.

Jai Jai Jahaanu Suta Agh Hanani, Bhishm Ki Mata Jaga Janani.
Dhaval Kamal Dal Mam Tanu Saje, Lakhi Shat Sharad Chandr Chavi Lajayi.

Wahan Makar Vimal Shuchi Sohe, Amia Kalash Kar Lakhi Man Mohe.
Jadita Ratna Kanchan Abhushan, Hiy Mani Har, Haranitam Dushan.

Jag Pavani Tray Tap Nasvani, Taral Tarang Tung Man Bhavani.
Jo Ganpati Ati Pujya Pradhan, Ihun Te Pratham Ganga Asnana.

Brahma Kamandal Vasini Devi, Shri Prabhu Pad Pankaj Sukh Sevi.
Saathi Sahastra Sagar Sut Tarayo, Ganga Sagar Teerth Dharayo.

Agam Tarang Uthyo Man Bhavan, Lakhi Teerth Haridwar Suhavan.
Teerth Raj Prayag Akshaiveta, Dharayo Matu Puni Kashi Karvat.

Dhani Dhani Sursari Swarg Ki Seedhi, Tarni Amita Pitu Pad Pirahi.
Bhagirathi Tap Kiyo Upara, Diyo Brahma Tav Sursari Dhara.

Jab Jag Janani Chalyon Hahrai, Shambhu Jata Mahn Rahyo Samaai.
Varsha Paryant Ganga Maharani, Rahin Shambhu Ke Jata Bhulani.

Puni Bhagirathi Shambhuhein Dhyaayo, Tab Ik Boond Jata Se Paayo.

Tate Matu Bhe Tre Dhara, Mrityu Lok, Nabha, Aru Paatara.

Gayi Paatal Prabhavati Naama, Mandakini Gayi Gagan Lalama.

Mrityu Lok Jahnavi Suhavani, Kalimal Harni Agam Jag Pavani.

Dhani Maiya Tab Mahima Bhaari, Dharm Dhuri Kali Kalush Kuthari.

Matu Prabhavati Dhani Mandakini, Dhani Sur Sarit Sakal Bhayanasini.

Pan Karat Nirmal Ganga Jal, Pavat Man Ichhit Anant Phal.

Purav Janm Punya Jab Jagat, Tabhein Dhyan Ganga Mahn Lagat.

Jai Pag Surasari Hetu Uthavahi, Tai Jag Ashwamegh Phal Pavahi.

Maha Patit Jin Kahu Na Tare, Tin Tare Ik Naam Tihare.

Shat Yojan Hum Se Jo Dhyaavhin, Nishchayi Vishnu Lok Pad Pavhin.

Naam Bhajat Aganit Agh Naashai, Vimal Gyaan Bal Buddhi Prakashai.

Jimi Dhan Mool Dharm Aur Daan, Dharm Mool Ganga Jal Paana.

Tab Gun Gunan Karat Dukh Bhaajat, Grih Grih Sampatti Sumati Virajat.

Gangahi Nem Sahit Nit Dhyaavat, Durjanhu Sajjan Pad Pavat.

Uddihin Vidya Bal Paavai, Rogi Rog Mukt Have Jaavhe.

Ganga Ganga Jo Nar Kahin, Bhukha Nanga Kabhu Nahi Rahhi.

Nikast Hi Mukh Ganga Mai, Shravan Daabi Yam Chalein Parai.

Mahn Aghin Adhman Kahan Taare, Bhaye Naraka Ke Band Kivarein.

Jo Nar Japi Ganga Shat Naama, Sakal Siddhi Pooran Hwei Kaama.

Sab Sukh Bhog Param Pad Pavi, Aavaganman Rahit Hwi Jaavi.

Dhani Maiya Sursari Sukh Daini, Dhani Dhani Teerth Raj Triveni.

Kakra Gram Rishi Durvasa, Sunderdas Ganga Kar Dasa.

Jo Yeh Padhe Ganga Chalisa, Mili Bhakti Aviral Waghisa.

Dohas

Nit Naye Sukh Sampatti Lahin, Dherein Ganga Ka Dhyan.
Ant Samaai Sur Pur Basal, Sadar Baithi Vimaan.

Samvat Bhut Nabhdishi, Ram Janm Din Chaitra.
Pooran Chalisa Kiya, Hari Bhaktan Hit Netra.

Ganga Chalisa Meaning in English

Dohas

Jai Jai Jai Jag Pavani, Jayati Devsari Ganga.

- Hail, hail, hail to the world-purifying Ganga, the river of the gods.

Jai Shiv Jata Nivasini, Anupam Tung Tarang.

- Hail to the one who resides in Lord Shiva's jata (hair), with incomparable high waves.

Chaupai

Jai Jai Janani Harana Aghkhani, Anand Karni Ganga Maharani.

- Hail, hail to the mother who destroys sins, the one who brings joy, Ganga, the queen of rivers.

Jai Bhagirathi Sursari Mata, Kalimal Mool Dalini Vikhyata.

- Hail to Bhagirathi, the divine mother, who is famous for destroying the root of sins.

Jai Jai Jahaanu Suta Agh Hanani, Bhishm Ki Mata Jaga Janani.

- Hail to the daughter of Jahanu, who removes sins, and the mother of Bhishma, the mother of the world.

Dhaval Kamal Dal Mam Tanu Saje, Lakhi Shat Sharad Chandr Chavi Lajayi.

- My body is adorned with the pure lotus petals, and its shine surpasses the moon on a hundred full moon nights.

Wahan Makar Vimal Shuchi Sohe, Amia Kalash Kar Lakhi Man Mohe.

- There, the crocodile, pure and clean, shines, and the Kalash (vessel) of nectar makes the mind attracted.

Jadita Ratna Kanchan Abhushan, Hiy Mani Har, Haranitam Dushan.

- Adorned with jewels, gold ornaments, and a heart like a precious gem, she removes all impurities and sins.

Jag Pavani Tray Tap Nasvani, Taral Tarang Tung Man Bhavani.

- The purifier of the world, she removes the three kinds of heat (physical, mental, spiritual) and her flowing waves captivate the mind.

Jo Ganpati Ati Pujya Pradhan, Ihun Te Pratham Ganga Asnana.

- As Lord Ganesha is the foremost deity to be worshipped, similarly, the first thing to do is to bathe in the Ganga.

Brahma Kamandal Vasini Devi, Shri Prabhu Pad Pankaj Sukh Sevi.

- The goddess who resides in Lord Brahma’s kamandal (vessel), serving the divine lotus feet of the Lord with utmost joy.

Saathi Sahastra Sagar Sut Tarayo, Ganga Sagar Teerth Dharayo.

- With thousands of rivers, she nurtures the ocean of Ganga, a place of pilgrimage.

Agam Tarang Uthyo Man Bhavan, Lakhi Teerth Haridwar Suhavan.

- Her eternal waves rise, captivating the mind, and she makes the holy pilgrimage of Haridwar even more beautiful.

Teerth Raj Prayag Akshaiveta, Dharayo Matu Puni Kashi Karvat.

- The king of all pilgrimage places, Prayag, is eternal, and she makes Kashi sacred again by her touch.

Dhani Dhani Sursari Swarg Ki Seedhi, Tarni Amita Pitu Pad Pirahi.

- Blessed is the river Ganga, the staircase to heaven, that leads countless souls to the divine feet of their ancestors.

Bhagirathi Tap Kiyo Upara, Diyo Brahma Tav Sursari Dhara.

- Bhagirath performed great penance to bring you here, O Ganga, and Brahma gave you the flow of this sacred river.

Jab Jag Janani Chalyon Hahrai, Shambhu Jata Mahn Rahyo Samaai.

- When the universal mother, Ganga, began to flow, Lord Shiva controlled her torrents by catching her in his matted hair.

Varsha Paryant Ganga Maharani, Rahin Shambhu Ke Jata Bhulani.

- The Ganga remained in Lord Shiva's hair until the end of the rainy season, hidden in his locks.

Puni Bhagirathi Shambhuhein Dhyaayo, Tab Ik Boond Jata Se Paayo.

- Then, Bhagirath meditated upon Lord Shiva, and from his matted hair, a single drop of water was released.

Tate Matu Bhe Tre Dhara, Mrityu Lok, Nabha, Aru Paatara.

- From that drop, three streams of water were formed—one for the Earth, one for the heavens, and one for the netherworld.

Gayi Paatal Prabhavati Naama, Mandakini Gayi Gagan Lalama.

- The stream that flowed to the netherworld became known as Prabhavati, while the stream that reached the heavens was named Mandakini.

Mrityu Lok Jahnavi Suhavani, Kalimal Harni Agam Jag Pavani.

- The stream that reached Earth became known as Jahnavi, beautiful and capable of destroying the sins of the world, making it pure.

Dhani Maiya Tab Mahima Bhaari, Dharm Dhuri Kali Kalush Kuthari.

- Blessed is the Mother Ganga, whose glory is immense, and she is the foundation of righteousness and destroys the evils of the Kali Yuga.

Matu Prabhavati Dhani Mandakini, Dhani Sur Sarit Sakal Bhayanasini.

- The Mandakini is a blessed river that removes all fears and brings salvation to all.

Pan Karat Nirmal Ganga Jal, Pavat Man Ichhit Anant Phal.

- Those who drink her pure water receive countless benefits and the fulfillment of their deepest desires.

Purav Janm Punya Jab Jagat, Tabhein Dhyan Ganga Mahn Lagat.

- When the good deeds of one’s past life awaken, the person naturally starts meditating upon the Ganga.

Jai Pag Surasari Hetu Uthavahi, Tai Jag Ashwamegh Phal Pavahi.

- Those who take even a single step towards the Ganga will gain the merit of performing the Ashwamedha Yagna.

Maha Patit Jin Kahu Na Tare, Tin Tare Ik Naam Tihare.

- Even the greatest sinners who could not be saved by anyone else can be redeemed by the mere utterance of your name.

Shat Yojan Hum Se Jo Dhyaavhin, Nishchayi Vishnu Lok Pad Pavhin.

- Those who meditate on you from hundreds of miles away will certainly attain the feet of Lord Vishnu.

Naam Bhajat Aganit Agh Naashai, Vimal Gyaan Bal Buddhi Prakashai.

- Chanting your name destroys countless sins, and grants pure knowledge, strength, and wisdom.

Jimi Dhan Mool Dharm Aur Daan, Dharm Mool Ganga Jal Paana.

- Just like wealth, righteousness, and charity are essential in life, the foundation of righteousness is obtaining the Ganga’s water.

Tab Gun Gunan Karat Dukh Bhaajat, Grih Grih Sampatti Sumati Virajat.

- When one praises her virtues, all sorrows vanish, and prosperity and good wisdom come to every home.

Gangahi Nem Sahit Nit Dhyaavat, Durjanhu Sajjan Pad Pavat.

- Those who consistently worship Ganga with rules and regulations, even the wicked become virtuous.

Uddihin Vidya Bal Paavai, Rogi Rog Mukt Have Jaavhe.

- Those who are ignorant will gain knowledge, those who are weak will gain strength, and those who are sick will be cured.

Ganga Ganga Jo Nar Kahin, Bhukha Nanga Kabhu Nahi Rahhi.

- Whoever chants the name of Ganga, the hungry and the naked will never remain in that state.

Nikast Hi Mukh Ganga Mai, Shravan Daabi Yam Chalein Parai.

- Those who utter the name of Ganga will not be taken by Yamraj, the god of death.

Mahn Aghin Adhman Kahan Taare, Bhaye Naraka Ke Band Kivarein.

- The great sinner who cannot be saved by anyone will be freed by chanting her name, even from the gates of hell.

Jo Nar Japi Ganga Shat Naama, Sakal Siddhi Pooran Hwei Kaama.

- Whoever chants the hundred names of Ganga will accomplish all desires and attain perfection.

Sab Sukh Bhog Param Pad Pavi, Aavaganman Rahit Hwi Jaavi.

- One who chants your name will enjoy all worldly pleasures and reach the supreme state, free from rebirth.

Dhani Maiya Sursari Sukh Daini, Dhani Dhani Teerth Raj Triveni.

- Blessed is the mother Ganga, the provider of happiness, and blessed is the Triveni Sangam (confluence of Ganga, Yamuna, and Saraswati).

Kakra Gram Rishi Durvasa, Sunderdas Ganga Kar Dasa.

- In Kakra village, the sage Durvasa and Sunderdas were servants of Ganga.

Jo Yeh Padhe Ganga Chalisa, Mili Bhakti Aviral Waghisa.

- Whoever reads this Ganga Chalisa with devotion will gain uninterrupted devotion to the divine.

Dohas

Nit Naye Sukh Sampatti Lahin, Dherein Ganga Ka Dhyan.

- Those who meditate upon Ganga daily will attain new happiness and wealth.

Ant Samaai Sur Pur Basal, Sadar Baithi Vimaan.

- At the end, they will dwell in the divine abode, seated in a heavenly vehicle.

Samvat Bhut Nabhdishi, Ram Janm Din Chaitra.

- The year of Ram's birth, in the month of Chaitra, is considered the auspicious time.

Pooran Chalisa Kiya, Hari Bhaktan Hit Netra.

- One who completes this Chalisa will attain the divine vision of Lord Hari and his devotees.